उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

संस्कृत प्रतिभा खोज 2025

राज्यस्तरीय संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (बाल वर्ग) हेतु नमूना प्रश्नोत्तर

संस्कृत सामान्य ज्ञान तथा भाषा दक्षता

भाग – 1

संस्कृत सामान्य ज्ञान

संस्कृत प्रतिभा खोज से सम्बन्धित प्रश्नोत्तर

प्रश्न - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ का कार्यालय किस नगर में स्थित है ?

उत्तर- लखनऊ नगर में स्थित है ।

प्रश्न- वर्ष 2025 में संस्कृत प्रतिभा खोज के अन्तर्गत कुल कितनी प्रतियोगिताएँ हो रही है ?

उत्तर - कुल 10 प्रतियोगिताएँ आयोजित हो रही है।

प्रश्न- यू.पी. बोर्ड के छात्र संस्कृत प्रतिभा खोज की कुल कितनी प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते है ?

उत्तर - कुल 7 प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है।

प्रश्न- संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का नमूना प्रश्न पत्र संस्कृत प्रतिभा खोज के किस-किस मीनू बटन के भीतर मिलता है ?

उत्तर - डाउनलोड मीनू बटन के भीतर अध्ययन सामग्री मीनू बटन में मिलता है ।

प्रश्न- संस्कृत प्रतिभा खोज के वेब पोर्टल का नाम बताइये ?

उत्तर - upsanskritpratibhakhoj.com यूपीसंस्कृतप्रतिभाखोज डॉट कॉम ।

प्रश्न- संस्कृत प्रतिभा खोज में मंडल स्तर पर कौन-कौन प्रतियोगिताएँ होती है ?

उत्तर - संस्कृत गीत (बाल वर्ग), संस्कृत सामान्य ज्ञान, श्लोकान्त्याक्षरी तथा संस्कृत गीत प्रतियोगिता (युवा वर्ग) ।

प्रश्न- राज्यस्तरीय श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी को संस्कृत अध्ययन प्रोत्साहनवृत्ति में कितनी प्रोत्साहन वृत्ति दी जाती है ?

उत्तर - रूपये पांच हजार दी जाती है ।

प्रश्न- संस्कृत प्रतिभा खोज की एक प्रतियोगिता में एक विद्यालय / महाविद्यालय से अधिकतम कितने छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं ?

उत्तर - एक प्रतियोगिता में एक विद्यालय / महाविद्यालय से अधिकतम 4 छात्र प्रतिभाग कर सकते हैं ।

प्रश्न- तर्कसंग्रह कंठस्थपाठ प्रतियोगिता में किस कक्षा से किस कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं ?

उत्तर - कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ ।

प्रश्न- संस्कृत सामान्य ज्ञान (बाल वर्ग) प्रतियोगिता में किस कक्षा से किस कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं ?

उत्तर - कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ ।

प्रश्न- पुरस्कार राशि प्राप्ति की स्थिति का पता कहाँ से लगाया जा सकता हैं ?

उत्तर – संस्कृत प्रतिभा खोज वेबपोर्टल के भुगतान की स्थिति मीनू बटन से।

प्रश्न- प्रतियोगिता में पुरस्कार के लिए दिया गया बैंक विवरण कहाँ-कहाँ देखा जा सकता है।

उत्तर – संस्कृत प्रतिभा खोज वेबपोर्टल के भुगतान की स्थिति मीनू बटन से तथा आवेदन पत्र में ।

जयन्ती

प्रश्न - महर्षि वाल्मीकि जयंती कब मनाई जाती है ?

उत्तर- अश्विन माह की पूर्णिमा तिथि को ।

प्रश्न - महर्षि पतंजलि की जयंती कब मनायी जाती है ?

उत्तर - नाग पंचमी के दिन ।

प्रश्न - धन्वन्तरि जयन्ती कब मनायी जाती है **?**

उत्तर - कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को

प्रश्न - गीता जयन्ती कब मनायी जाती है **?**

उत्तर - मार्गशीर्ष (अगहन) शुक्ल पक्ष एकादशी को

प्रश्न - नारद जयन्ती कब मनायी जाती है **?**

उत्तर - ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि को

प्रश्न- गोरखपुर नगर में स्थित प्रसिद्ध मंदिर का नाम क्या है ?

उत्तर- गोरखनाथ / गोरक्षनाथ मंदिर ।

प्रश्न- शाकुम्भरी देवी का मंदिर उत्तर प्रदेश के किस जनपद में स्थित है ?

उत्तर- सहारनपुर जनपद ।

संकेत-

रामानन्दाचार्य जयन्ती - माघ कृष्ण सप्तमी । शंकराचार्य जयन्ती - वैशाख शुक्ल पंचमी । रामानुजाचार्य जयन्ती - वैशाख शुक्ल षष्ठी । परशुराम जयन्ती - वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया । कूर्म जयन्ती - वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा । बुद्‌ध जयन्ती - वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा । महावीर जयन्ती - चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी । रविदास जयन्ती - माघ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा ।

गीत तथा गीतकार

प्रश्न- 'विलसति संस्कृतप्रतिभा' गीत के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- डॉ. अरविन्द कुमार तिवारी

प्रश्न- 'मम माता देवता' गीत के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- श्री ल.म. चक्रदेव

प्रश्न- 'जयतात् संस्कृतवाणी मधुरा' गीत के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- गु. गणपय्य होळळ

प्रश्न- सुन्दरी शरत् समागता इस गीत के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- डॉ नवलता

प्रश्न- 'अयि भारतजननि ! त्वमेव मम देवता' गीत के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- श्रीधर भास्कर वर्णेकर

गीतकार तथा गीत के लिए संकेत -

अरविन्द कुमार तिवारी - तिरङ्गाध्वजो यस्य हस्ते स पूज्यो । मातः स्वदेशसेवा । रविवासरे प्रातः बालाः । सखे वर्धतां भारतं कामयेऽहम् । भारतीया धरा मातृका बन्धवः! । विलसति संस्कृतप्रतिभा ।

अय्यमपुष हरिकुमार - हिमगिरिशृङ्गं उत्तुङ्गम् । जयतु भारतं नौका गानम् ।

अशोक अकलूजकर - अग्रे चल, अग्रे चल !

ओगेटि परीक्षित शर्मा - आयाहि रे ! विहायसि-सराग-रश्मि-चन्द्रमा ।

इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव' - राष्ट्ररक्षाविधौ यास्ति काष्ठा परा ।

कृष्णप्रसाद घिमिरे - शङ्कर ! शङ्कर ! शं कुरु शम्

गणपय्य होळळः - एहि एहि चन्दिर ।

जि. महाबलेश्वर भट्टः - भुवमवतीर्णा नाकस्पर्धिनी । मातः चन्दिर एकाकी ।

जनार्दन हेगड़े- मृदपि च चन्दनम् । ध्येया धरणीयम् । एहि सुधीर एहि सुविक्रम । हस्ती हस्ती हस्ती ।

नरेन्द्र - वयं बालका भारतभक्ताः।

नवलता - सुन्दरी शरत्समागता। गर्जति नभसि पयोदः । नव्या गीतिः नव्यारीतिः । श्रावणमासे यमुनातीरे ।

नन्दप्रदीप्त कुमार - वन्दे भारतवर्षम् कल-कल प्रवहति पावनी गङ्गा ।

नारायण भट्टः - सुन्दरसुरभाषा । चिरनवीना संस्कृता एषा ।

मायाप्रसाद त्रिपाठी - चल मुदा समम् । ज्योत्स्ना- स्मित ! मा वर्ष प्रणयम् । कोकिल ! 'कुहू' त्वं न कुरु मधौ विपिने ।

मञ्जूनाथ शर्मा- पठत संस्कृतम् ।

ल.म. चक्रदेव- मम माता देवता ।

वासुदेव द्विवेदी शास्त्री- सादरं समीहताम् । घनागमन-गीतम् या सखि! श्यामला जने जने ।

वीरभद्र मिश्र - भवतु संस्कृता होली अरे रे । चलति विडालः । चल मम घोटक ।

डा. वेणीमाधव शास्त्री - घटिके घटिके टिक् टिक् घटिके ।

रमाकान्त शुक्ल- स्वागतं पयोद! ते स्वागतं पयोद! ते।।

रामनाथ सुमन- चन्दनतुल्या भारतभूमिः।।

राधानाथ राय- सर्वेषां नो जननी।।

लालमणि पाण्डेय- अद्य राधिका मुदा मया विलोकिता।। जयति वीणावादिनी सा ।

श्रीधरभास्कर वर्णेकर- लोकहितं मम करणीयम् । चल चल पुरतो निधेहि चरणम् । मनसा सततं स्मरणीयम् । त्वमेव मम देवता । भारतजननि ! त्वमेव शरणम् । भारतदेशो जयतु महान् । प्रबलमतुलं भारतम् । भवतु भारतम् ।

श्रीधर पाठक - बालचर ! भज भारत देशम् ।

सम्पदानन्द मिश्र - उदिते सूर्ये धरणी विहसति ।

हरेकृष्ण मेहेर - जयतु जननी जन्मभूमि: । विजयतां नो मातृभूमी भारतम् । भारत-माता परम-नमस्या । भारतं विभा-रतम् ।

हरिराम आचार्यः- जय जय हे भगवति सुरभारति ।

हरिहर शर्मा अर्याल- कुहू कुहू माकन्दे ।

व्रत, पर्व, त्योहार की तिथि

प्रश्न - मातृनवमी कब मनाया जाता है ?

उत्तर- आश्विन कृष्णपक्ष नवमी को मातृनवमी मनाया जाता है ।

प्रश्न - दीपावली पर्व कब मनाया जाता है?

उत्तर- कार्तिक कृष्ण अमावस्या

प्रश्न - किस तिथि में प्रदोष व्रत में रखा जाता है ?

उत्तर- त्रयोदशी तिथि

प्रश्न- गुरुपूर्णिमा पर्व कब मनाया जाता है ?

उत्तर- आषाढ शुक्ल पूर्णिमा को

प्रश्न - संस्कृत दिवस कब मनाया जाता है ?

उत्तर- श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि को ।

प्रश्न- रक्षाबंधन किस मास तथा तिथि को मनाया जाता है ?

उत्तर- श्रावण पूर्णिमा

प्रश्न- श्रावणी पूर्णिमा को अन्य कौन-कौन पर्वोत्सव मनाया जाता है

उत्तर- विश्व संस्कृत दिवस, श्रावणी उपाकर्म तथा रक्षाबन्धन।

प्रश्न- उत्तर प्रदेश में नाग पंचमी कब मनाया जाता है ?

उत्तर- श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी

प्रश्न - संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम कितने दिन मनाया जाता है ?

उत्तर- सात दिन ।

प्रश्न- शारदीय नवरात्र किस मास में आता है ?

उत्तर- आश्विन मास में

प्रश्न- भ्रातृ द्वितीया (भाईदूज) किस माह, पक्ष तथा तिथि को मनाया जाता है ?

उत्तर- कार्तिक मास शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि

प्रश्न- भातृ द्वितीया का एक अन्य नाम बोलिये ?

उत्तर- यम द्वितीया।

प्रश्न- किस माह के किस पक्ष को पितृपक्ष कहा जाता है ?

उत्तर- आश्विन माह के कृष्ण पक्ष को पितृपक्ष कहा जाता है।

प्रश्न- तुलसी विवाह किस तिथि को मनाया जाता है ?

उत्तर- कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी तिथि

प्रश्न - कौमुदी महोत्सव कब मनाया जाता है ?

उत्तर - कार्तिक पूर्णिमा को

प्रश्न- किस माह तथा तिथि में सीता विवाह का विवाह हुआ ?

उत्तर- मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि

प्रश्न - महाशिवरात्रि पर्व कब मनाया जाता है ?

उत्तर- फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष चतुर्दशी

प्रश्न- महालयारम्भ कब होता है ?

उत्तर – भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा

प्रश्न- यम द्वितीया किस माह की तिथि को आता है?

उत्तर – कार्तिक शुक्ल द्वितीया

प्रश्न- गंगा दशहरा किस माह की किस पक्ष तथा तिथि को मनाया जाता है ?

उत्तर – ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है।

संकेत –

बहुला पूजा – भाद्र कृष्ण चतुर्थी। कुशोत्पाटनी अमावास्या – भाद्रपद अमावास्या। अनन्त व्रत- भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी। जीवत्पुत्रिका – आश्विन कृष्ण अष्टमी। शारदीय नवरात्र का प्रारंभ – आश्विन शुक्ल प्रतिपद्। विजया दशमी - आश्विन शुक्ल दशमी। गोवर्धन पूजा - कार्तिक शुक्ल द्वितीया। देवोत्थान एकादशी - कार्तिक शुक्ल एकादशी। विवाह पंचमी – मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी। गीता जयंती - मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी। जगन्नाथ रथ यात्रा- आषाढ शुक्ल द्वितीया। देव दीपावली – कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा। कोजागरा पूजा - हरिशयनी एकादशी - आषाढ शुक्ल एकादशी। नृसिंह चतुर्दशी – वैशाख शुक्ल चतुर्दशी। वट सावित्री – ज्येष्ठ कृष्ण अमावास्या। रंगभरी एकादशी – फाल्गुन शुक्ल एकादशी। मौनी अमावस्या - । वसंत पंचमी – माघ शुक्ल पंचमी। शीतला अष्टमी – चैत्र कृष्ण अष्टमी। राम नवमी – चैत्र शुक्ल नवमी। निर्जला एकादशी - ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी। गुरु पूर्णिमा –आषाढ शुक्ल पूर्णिमा। नाग पंचमी – श्रावण शुक्ल पंचमी। राधाष्टमी – भाद्रपद शुक्ल अष्टमी।

पौराणिक / ऐतिहासिक सम्बन्ध और सम्बन्धी

प्रश्न -लव और कुश का लालन पालन किस ऋषि के आश्रम में हुआ ?

उत्तर- महर्षि वाल्मीकि के ।

प्रश्न - राम को कितने वर्ष का वनवास हुआ था ?

उत्तर- 14 वर्ष का ।

प्रश्न - राम के साथ वन में कौन-कौन गया था ?

उत्तर- सीता एवं लक्ष्मण ।

प्रश्न- अङ्गराज कौन था ?

उत्तर- कर्ण ।

प्रश्न- शान्तनु कहाँ के राजा थे ?

उत्तर- हस्तिनापुर के ।

प्रश्न - युद्ध से पहले भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कौन सा उपदेश दिया था ?

उत्तर- गीता का उपदेश ।

प्रश्न- पिप्पलाद किसके पुत्र थे ?

उत्तर- महर्षि दधीचि के।

प्रश्न- इनका नाम पिप्पलाद क्यों पड़ा ?

उत्तर- क्योंकि शैशवावस्था में पीपल के फलों को खाकर इन्हें जीवन धारण करना पड़ा था। पिप्पलाद किसके पुत्र थे ?

उत्तर- महर्षि दधीचि के।

प्रश्न- इनका नाम पिप्पलाद क्यों पड़ा ?

उत्तर- क्योंकि शैशवावस्था में पीपल के फलों को खाकर इन्हें जीवन धारण करना पड़ा था।

सम्मान-पुरस्कार

प्रश्न- 2021 का विश्वभारती पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?

उत्तर- हरिदत्त शर्मा

प्रश्न- उज्जैन की कालिदास अकादमी कौन सा राष्ट्रीय पुरस्कार देती है?

उत्तर- कालिदास पुरस्कार

प्रश्न- राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार कौन सा है?

उत्तर- माघ पुरस्कार

प्रश्न- माघ पुरस्कार के लिये कितनी धनराशि प्रदान की जाती है?

उत्तर- रु. एक लाख इक्कीस हज़ार

प्रश्न- वर्ष 2023 का ज्ञानपीठ पुरस्कार किस संस्कृत विद्वान् को दिया गया ?

उत्तर- स्वामी रामभद्राचार्य।

संस्थाओं के विषय में

प्रश्न- सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क संस्कृत कोचिंग की व्यवस्था उत्तरप्रदेश की कौन सी सरकारी संस्था करती है?

उत्तर- उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थानम्

प्रश्न- गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय कहाँ स्थित है?

उत्तर- हरिद्वार

प्रश्न- संस्कृत का विश्वभर में प्रचार-प्रसार करने वाली किसी गैरसरकारी संस्था का नाम बताओ।

उत्तर- संस्कृतभारती

प्रश्न- संस्कृतसंवर्द्धन प्रतिष्ठान कहाँ स्थित है?

उत्तर- नई दिल्ली

प्रश्न- सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम् वाराणसी,के संस्थापक का नाम बताइये ।

उत्तर- पंडित वासुदेव द्विवेदी शास्त्री ।

प्रश्न- मध्य प्रदेश में भारत सरकार द्वारा सञ्चालित वेद विद्याविषयक संस्था का पूरा नाम क्या है?

उत्तर- महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठानम् (नवीन नाम महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड)

प्रश्न- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का नया नाम क्या है?

उत्तर- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ।

प्रश्न - भारत में कितने क्षेत्रीय भाषा केन्द्र हैं तथा कहाँ स्थित है ?

उत्तर- भुवनेश्वर, पुणे, मैसूर, पटियाला, गुवाहाटी, सोलन और लखनऊ में 7 क्षेत्रीय भाषा केन्द्र हैं ।

प्रश्न - वैज्ञानिक और तकनीकि शब्दावली आयोग कहाँ स्थित है ?

उत्तर- आर. के. पुरम्, नई दिल्ली ।

प्रश्न - राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन भारत सरकार के किस मंत्रालय के अधीन कार्यरत है ?

उत्तर- पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय ।

प्रश्न - राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन की स्थापना कब की गई ?

उत्तर- फरवरी 2003 ।

संस्कृत के ग्रन्थ और ग्रन्थकार

प्रश्न- विश्व का सबसे प्राचीनतम पुस्तक कौन है ?

उत्तर- विश्व का सबसे प्राचीनतम पुस्तक ऋग्वेद है।

प्रश्न- मुद्राराक्षस के लेखक कौन है ?

उत्तर- विशाखदत्त।

प्रश्न- रत्नावली के लेखक कौन है ?

उत्तर- हर्षवर्धन।

प्रश्न- मालती माधव के लेखक कौन है ?

उत्तर- भवभूति।

प्रश्न- महावीर चरितम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- भवभूति।

प्रश्न- उत्तरामचरितम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- भवभूति।

प्रश्न- कर्पूरमंजरी के लेखक कौन है ?

उत्तर- राजशेखर

प्रश्न- बालरामायणम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- राजशेखर।

प्रश्न- वेणीसंहार के लेखक कौन है ?

उत्तर- भट्टनारायण।

प्रश्न- ऋतुसंहार के लेखक कौन है ?

उत्तर- कालिदास।

प्रश्न- मेघदूतम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- कालिदास।

प्रश्न- नीतिशतकम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- भर्तृहरि।

प्रश्न- गीतगोविंद के लेखक कौन है ?

उत्तर- जयदेव।

प्रश्न- सूर्यशतकम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- मयूर भट्ट।

प्रश्न- पंचतंत्र के लेखक कौन है ?

उत्तर- विष्णु शर्मा

प्रश्न- कथासरित्सागर के लेखक कौन है ?

उत्तर- सोमदेव ।

प्रश्न- रघुवंशमहाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- कालिदास ।

प्रश्न- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- भारवि ।

प्रश्न- रामायण के लेखक कौन है ?

उत्तर- महर्षि वाल्मीकि ।

प्रश्न-महाभारत के लेखक कौन है ?

उत्तर- महर्षि वेदव्यास ।

प्रश्न - महाभारत में कितने पर्व हैं ?

उत्तर - अठ्ठारह

प्रश्न - पुराणों के रचयिता कौन है ?

उत्तर - वेदव्यास ।

प्रश्न - आदिकवि के नाम से किसे जाना जाता है ?

उत्तर- वाल्मीकि

प्रश्न - कृष्णद्वैपायन किसे कहा जाता है ?

उत्तर- वेद व्यास

प्रश्न - नामलिङ्गानुशासन किस ग्रन्थ का नाम है ?

उत्तर- अमरकोष

प्रश्न - रावणवधमहाकाव्यम् किस ग्रन्थ का नाम है ?

उत्तर- भट्टिकाव्यम्

प्रश्न - ऋग्वेद में कितने मण्डल होतें हैं ?

उत्तर- दस ।

प्रश्न - रामायण में कितने श्लोक हैं ?

उत्तर- चतुर्विंशतिश्लोक

प्रश्न - किस काव्य को आदिकाव्य कहा जाता है ?

उत्तर- रामायण

प्रश्न - रामायण में कितने काण्ड है ?

उत्तर- सात

प्रश्न - रामायण कथा के लिए वाल्मीकि को किसने उपदेश दिया ?

उत्तर- नारद

प्रश्न - रामायण के सातों काण्डों को क्रम से बताईये ?

उत्तर- बाल, अयोध्या, अरण्य, किष्किंधा, सुन्दर, युद्ध और उत्तर काण्ड

संख्याबोधक शब्द

प्रश्न - वेद शब्द से किस संख्या को कहा जाता है ?

उत्तर – चार (सामवेद, ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद)।

प्रश्न - आदित्य शब्द से किस संख्या को कहा जाता है ? **उत्तर** – द्वादश (12)

प्रश्न - किस संख्या का पर्याय पुरी शब्द है ? **उत्तर** – सप्त (7)

प्रश्न - दिशाएं कितनी होती है ? **उत्तर** – 10

प्रश्न - त्रिलोक का तात्पर्य कौन-कौन लोक है ?

उत्तर – पृथ्वी, स्वर्ग, नर्क

अन्य सङ्केत-

सात धातु (शारीरिक) : रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, वीर्य।

सात रंग : बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी, लाल।

सप्तलोक : अतल, वितल, सुतल, तलातल, महातल, रसातल, पाताल।

सप्तमातृका : ब्राह्मी, माहेश्वरी, कौमारी, वैष्णवी, वाराही,इन्द्राणी, चामुण्डा।

संस्कृत भाषा दक्षता
भाग -2

संस्कृत भाषा दक्षता

उच्चारण स्थान

प्रश्न - इ का उच्चारण स्थान क्या है ?

उत्तर - तालु

प्रश्न- विसर्ग का उच्चारण स्थान क्या है

उत्तर - कण्ठ

प्रश्न- थ का उच्चारण स्थान क्या है

उत्तर - दन्त

प्रश्न- ल का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – दन्त

प्रश्न- "ष" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – मूर्धा

प्रश्न- "चवर्ग" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – तालु

प्रश्न- "ल" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर –दन्त

प्रश्न- "लृ" का उच्चारण स्थान क्या है?

उत्तर – दन्त

प्रश्न- "कण्ठ से किन-किन वर्णों का उच्चारण होता है?

उत्तर -कण्ठ – अ क ख ग घ ङ ह विसर्ग

सङ्केत-

य (तालु) ल (दन्त) (कण्ठ – अ क ख ग घ ङ ह विसर्ग), (तालु – इ च छ ज झ ञ य श), (मूर्धा – ऋ ट ठ ड ढ ण र ष), (दाँत – लृ त थ द ध न ल स),

प्रश्न- शरीर के अङ्ग बोधक शब्द से एक वाक्य बनाइये।

उत्तर- तस्य मणिबन्धे सुन्दरं घटीयं अस्ति।

सिर – शिरः/शीर्षम् । माथा – ललाटम् /मस्तकम् । दिमाग – मस्तिष्कः । खोपड़ी – कपालः । चेहरा – मुखः । आँख – नेत्रम् /लोचनम् /नयनम् /चक्षुः । पलक – पक्ष्मः । भौंह – भ्रूः । गरदन – ग्रीवाः । जीभ – जिह्वाः /रसना । मूँछ – श्मश्रुः । गला – कण्ठः । होंठ – अधरम् । ऊपरी होठ – ओष्ठः । निचला होठ – अधरम् । दाँत – दन्तः । बाल – केशः/शिरोरूहः । सफेद बाल – पलितकेशः । गाल – कपोलः । नाक – नासिका, घ्राणम् । कान – कर्णः/श्रोतम् । जिगर – यकृतः। भुजा – बाहुः, भुजः । हाथ – करः/हस्तः/पाणिः । कोहनी – कूर्परः । हाथ का अँगूठा – अंगुष्ठः । अंगुली – अंगुलिः । दाँत – रदनः/ दन्तः । हृदय/दिल – हृदयम् । मन – चित्तम्/मनः । छाती – उरः/वक्षःस्थलम् । स्तन – स्तनः । नाखून – नखः । दाढ़ी – कूर्चम् । हथेली – करतलम् । पेट – उदरम् । फेफड़ा – फुफ्फुसः । कमर – कटिः । रीढ़ की हड्डी – मेरूदण्डः । पीठ – पृष्ठम् । त्वचा – चर्मः/त्वक् । पैर – चरणः, पादः । घुटना – जानुः । टखना – गुल्फः । एडी – पार्ष्णिः । तलवा – पदतलम् । हड्डी – अस्थिः । आँसू – अश्रु । जाँघ– जंघा ।

प्रश्न- अधोलिखित रंग वाचक शब्द से संस्कृत में एक वाक्य बनायें।

सफेद = श्वेतः, शुक्लः, अर्जुनः, धवलः। हरा = पलाशः, हरितः। बैंगनी = धूमलवर्णः। लाल = रक्तवर्णः, लोहितः, रक्तः। काला = कालः, श्यामः, कृष्णः। नारंगी = नारङ्गवर्णः, कौसुम्भः, नारिङ्गः। नीला = नीलः। बैंगनी = धूमलवर्णः, धूम्रवर्णः, शोणः। गुलाबी = श्वेतरक्तः, पाटलः। पीला = हरिद्राभः, पीतः।

शुक्लवर्णः- (7) – शुक्लः (पुं), शुभ्रः (पुं), शुचिः (पुं), श्वेतः (पुं), विशदः (पुं), श्येतः (पुं), पाण्डरः (पुं) अवदातः (पुं), सितः (पुं), गौरः (पुं), अवलक्षः (पुं), धवलः (पुं), अर्जुनः (पुं)

पीतसंवलितशुक्लः- (3) - हरिणः (पुं), पाण्डुरः (पुं), पाण्डुः (पुं)

ईषद्धवलवर्णः. (2) - ईषत्पाण्डुः (पुं), धूसरः (पुं)

काला और नीला रंग - कृष्णवर्णः- कृष्ण (पुं), नीलः (पुं), असितः (पुं), श्यामः (पुं), कालः (पुं), श्यामलः (पुं), मेचकः (पुं)

पीतवर्णः- (3) - पीतः (पुं), गौरः (पुं), हरिद्राभः (पुं)

हल्का पीला या हल्का भूरा - सुवर्णः

हरितवर्णः- (4) - पालाशः (पुं), +[पलाशः (पुं)], हरितः (पुं), हरित् (पुं)

रक्तवर्णः- (3) - लोहितः (पुं), रोहितः (पुं), रक्तः (पुं)

कथ्थइ अधिकरक्तवर्णः- (2) - शोणः (पुं), कोकनदच्छविः (पुं) असितलोहितः

हल्का लाल रंग - ईषद्रक्तवर्णः- (2) - अव्यक्तरागः (पुं), अरुणः (पुं)

गुलाबी रंग - श्वेतरक्तवर्णः- (2) - श्वेतरक्तः (पुं), पाटलः (पुं)

कृष्णपीतवर्णः- (2) - श्यावः (पुं), कपिशः (पुं)

बैगनी- कृष्णलोहितवर्णः- (3) - धूम्रः (पुं), धूमल (पुं), कृष्णलोहितः (पुं)

भूरा या मटमैला रंग- कपिलवर्णः- (6) - कडारः (पुं), कपिलः (पुं), पिङ्गः (पुं), पिशङ्गः (पुं), कद्रुः (पुं), पिङ्गलः (पुं)

नानावर्णाः- (6) - चित्रः (नपुं), किर्मीरः (पुं), +[कर्मीर (पुं)], कल्माषः (पुं), शबलः (पुं), कर्बुरः (पुं)

अधोलिखित वृक्ष के नाम से एक वाक्य बनायें।

आम- आम्रः **बरगद** - वटः या पर्कटी **पीपल** - अश्वत्थः **नीम** - निम्बः **बांस-** वेतसः **देवदार** - देवदारुः या देववृक्षः **चीड़-** भद्रदारुः **चंदन-** चन्दनम् पेड़ – वृक्षः, तरुः, **बरगद** – वटः, ताड़ – तालः, **खजूर–** खर्जूरम् खर्जुरा, भूमिखर्जूरिका, दुरारोहा, स्वादुमस्तका, **शीशम** – शिंशपा, **अशोक–** अशोकः, **सागौन–** किंशुकः, **गूलर** – उदुम्बरम्,प्लक्षः, **करञ्ज** – करञ्जः, **बबूल** कण्टकवृक्षः, कोकरः, बर्बुरः, **इमली–** अम्लिका, तिंतिडी, **अखरोट** – अक्षोटः, **रेड़** – एरण्डः, **महुआ** – मधुकः, **सेमर** – शाल्मलिः

अधोलिखित पद से एक - एक वाक्य बनायें-

तर्हि । फलानि । तव । जीवनस्य । त्रयः । लहरीणाम् । वेगेन । नौः । तयोः । जलेन । नाविकः । सम्भ्रमेण महाशय ! । भवान् । प्राध्यापकः । नौकां बाहुभ्याम् । महाभारतस्य । कति । दिनानि । त्रयोदशे । भारतस्य विजयाय ।

तस्मिन् । सः । सा । काले । सतीशस्य । मित्र । विमानं दृष्टमासीत् । शान्तिप्रियाः भारतीयाः । दानं व्यर्थम् । सैनिकानाम् आत्मबलिदानम् । मञ्जूषातः पदानि चित्वा । काठिन्यं दूरम् । वयं किम् ? तपः कृत्वा । भ्रान्तिसमूहं दूरं कृत्वा । एकः छात्रः । परिचयम् ।

तु त्वरितम् । स्वसामग्रीम् । समचिनोत्। काऽऽसीत् । विद्यालयस्य । पुस्तकानि । कानिचित् । द्वित्राणि । वस्त्राणि । च । सुहागिन्या । मुखमवलोकयति । कदाचित् । सामग्र्याः । चयने । व्यवस्थापने । शून्ये । स्थिता। कारयानं । सज्जमासीत्। मञ्जूषा । गृहीता। कारयानस्य । पृष्ठवर्तिन्यां । स्थापिता। कृत्वा । जातम्। किमपि। वक्तुं । नाशक्नोत् । नयनाभ्यां । आजीवनं । नयने । हृदये । पावकं । प्रज्वाल्य । हस्ताभ्यां । संगृह्य । स्वकलेवरे संलेपयन्ति । अग्निसमीपे । उपविश्य। स्वीकुर्वन्ति। पर्यटकाः । अपि । प्रतिक्षणं । प्रविशन्ति ।

अधोलिखित वाक्य को यथानिर्देश वर्तमान काल, भूत काल तथा भविष्यत् काल में परिवर्तित करें।

1. इदं चित्रं पाठशालायाः वर्तते ।

लट् (वर्तमान काल): इदं चित्रं पाठशालायाः वर्तते। ☑(यथावत् है)

लङ् (भूत काल): इदं चित्रं पाठशालायाः अवर्तत।

लृट् (भविष्यत् काल): इदं चित्रं पाठशालायाः भविष्यति।

2. सावित्री मुखरं विरोधं अकरोत् ।

लट् (वर्तमान): सावित्री मुखरं विरोधं करोति।

लङ् (भूत): सावित्री मुखरं विरोधं अकरोत्। ☑(यथावत् है)

लृट् (भविष्यत्): सावित्री मुखरं विरोधं करिष्यति।

3. सा प्रथमा महिला शिक्षिका आसीत् ।

लट् (वर्तमान): सा प्रथमा महिला शिक्षिका अस्ति।

लङ् (भूत): सा प्रथमा महिला शिक्षिका आसीत्। ☑(यथावत् है)

लृट् (भविष्यत्): सा प्रथमा महिला शिक्षिका भविष्यति।

4. उभयतः गुलिकावृष्टिः अभवत् ।

लट् (वर्तमान): उभयतः गुलिकावृष्टिः भवति।

लङ् (भूत): उभयतः गुलिकावृष्टिः अभवत्। ☑

लृट् (भविष्यत्): उभयतः गुलिकावृष्टिः भविष्यति।

5. भगतसिंहः, शिवरामः, राजगुरुः गौराङ्गं सैन्डर्स नामानम् मारयिष्यन्ति।

लट् (वर्तमान): भगतसिंहः, शिवरामः, राजगुरुः गौराङ्गं सैन्डर्स नामानम् मारन्ति।

लङ् (भूत): भगतसिंहः, शिवरामः, राजगुरुः गौराङ्गं सैन्डर्स नामानम् अमारयन्।

लृट् (भविष्यत्): भगतसिंहः, शिवरामः, राजगुरुः गौराङ्गं सैन्डर्स नामानम् मारयिष्यन्ति। ☑

6. स्वमित्रं हमीदमपि तत्र नेष्यामि।

लट् (वर्तमान): स्वमित्रं हमीदमपि तत्र नयामि।

लङ् (भूत): स्वमित्रं हमीदमपि तत्र अनयम्।

लृट् (भविष्यत्): स्वमित्रं हमीदमपि तत्र नेष्यामि। ☑

7. ततः शिक्षकाः सर्वेभ्यः मोदकं वितरिष्यन्ति।

लट् (वर्तमान): ततः शिक्षकाः सर्वेभ्यः मोदकं वितरन्ति।
लङ् (भूत): ततः शिक्षकाः सर्वेभ्यः मोदकं अवितरन्।

लृट् (भविष्यत्): ततः शिक्षकाः सर्वेभ्यः मोदकं वितरिष्यन्ति। ☑

8. किं त्वमपि तत्र चलिष्यसि?

लट् (वर्तमान): किं त्वमपि तत्र गच्छसि? / किं त्वमपि तत्र चलसि?

लङ् (भूत): किं त्वमपि तत्र अगच्छः? / किं त्वमपि तत्र अचलीः?

लृट् (भविष्यत्): किं त्वमपि तत्र चलिष्यसि? ☑

अधोलिखित क्रियापद से से एक वाक्य का निर्माण करें।

आगच्छति, प्रक्षालयामि, क्रीडन्ति, गुञ्जन्ति, नयन्ति, पतन्ति, धावन्ति, गच्छामः, गच्छथ, भवन्ति, कूजति, सिञ्चति, विकसतः ।

अधोलिखित शब्दों से एक वाक्य बनायें-

उदाहरण- ते किमपि वक्तुम् इच्छन्ति । श्यामः हरिद्वारं गन्तुम् इच्छति ।
वक्तुम्, गन्तुम्, कर्तुम्, खादितुम्, पातुम्, पठितुम्, श्रोतुम्, पठितुम्, दातुम्, मेलितुम्, द्रष्टुम्।

अधोलिखित क्रियापद से एक वाक्य बनायें।

खादति । गच्छति। हसति । रोदिति । पठति । पश्यति । क्रीडति । पिबति । शृणोति । लिखति । क्षालयति । ताडयति । ददाति । पतति । खेलति । धावति । चलति । कूर्दते । बध्नाति ।

अधोलिखित क्रियापद के दोनों लकार से एक-एक वाक्य बनायें।

गमिष्यथ (गच्छथः), आगमिष्यामि (आगच्छामि), श्रोष्यामि (शृणोमि), वदिष्यसि (वदसि), पठिष्यति (पठति), लेखिष्यतः (लिखति), पास्यसि (पिबति), खादिष्यन्ति (खादन्ति), द्रक्ष्यावः (पश्यावः), नेष्यामि (नयामि), चलिष्यामः (चलामः), वसिष्यामि (वसामि), ज्ञास्यति (जानाति)

अधोलिखित संख्यावाचक शब्द से एक वाक्य बनायें।

संकेत- पञ्चविंशतिः – पचीस, षड्विंशतिः – छब्बीस, एकादश –ग्यारह, द्वादश – बारह, त्रयोदश – तेरह, चतुर्दश – चौदह, एकत्रिंशत् – इकतीस, द्वात्रिंशत् –बत्तीस, त्रयस्त्रिंशत्- तैंतीस, चतुस्त्रिंशत्- चौंतीस, पञ्चत्रिंशत् – पैंतीस, अष्टपञ्चाशत् (अष्टापञ्चाशत्) अठावन, नवपञ्चाशत्, ऊनषष्टिः या एकोनषष्टिः – उनसठ, षष्टिः – साठ, एकषष्टिः – इकसठ, द्वाषष्टिः (द्विषष्टिः) – बासठ, त्रयःषष्टिः (त्रिषष्टिः) – तिरसठ **आदि।**

अधोलिखित समयवाचक शब्द से एक वाक्य बनायें।

घड़ी = घटिका / घटिः । **समय** = समयः । **बजे** = वादनम् । **घंटा** = होरा । **मिनट** = निमेषः । **सेकेन्ड** = क्षणम् । **पौने** = पादोन । **सवा** = सपाद । **साढे** = सार्धम् । **अधिक** = अधिकम् । **कम** = न्यूनम् अथवा ऊनम् ।

01 से लेकर 12 बजे तक का समय पूछना

एक बजे = एकवादनम्

दो बजे = द्विवादनम्

तीन बजे = त्रिवादनम्

12 बजे = द्वादशवादनम्

सवा (सपाद) का समय पूछना

(1) सवा बजे = सपाद-एकवादनम् (1 बजकर 15 मिनट)

(2) सवा दो बजे = सपाद-द्विवादनम् (2 बजकर 15 मिनट)

(3) सवा तीन बजे = सपाद-त्रिवादनम् (3 बजकर 15 मिनट)

(10) सवा दस बजे = सपाद-दशवादनम (10 बजकर 15 मिनट)

साढ़े (सार्ध) का समय पूछना-

(1) डेढ़ बजे = सार्ध-एकवादनम् (1 बजकर 30 मिनट)

(2) ढाई बजे = सार्ध-द्विवादनम (2 बजकर 30 मिनट

(3) साढ़े तीन बजे = सार्ध- त्रिवादनम (3 बजकर 30 मिनट)

पौने (पादोन) का समय पूछना-

(1) पौन बजे = पादोन-एकवादनम् (12 बजकर 45 मिनट)

(11) पौने ग्यारह बजे – पादोन-एकादशवादनम् (10 बजकर 45 मिनट)

अधिकम् और न्यूनम् या ऊनम् युक्त समय पूछना

(1) 2 बजकर 10 मिनट - दश अधिकम् द्विवादनम्

(2) 4 बजकर 25 मिनट - पंचविंशति अधिकं चतुर्वादनम्

प्रश्न- अधोलिखित शब्दों से एक वाक्य बनायें।

सफेद = श्वेतः, शुक्लः, अर्जुनः, धवलः। **हरा** = पलाशः, हरितः। **बैंगनी** = धूमलवर्णः। **लाल** = रक्तवर्णः, लोहितः, रक्तः। **काला** = कालः, श्यामः, कृष्णः। **नारंगी** = नारङ्गवर्णः, कौसुम्भः, नारिङ्गः। **नीला** = नीलः। **बैंगनी** = धूमलवर्णः, धूम्रवर्णः, शोणः। **गुलाबी** = श्वेतरक्तः, पाटलः। **पीला** = हरिद्राभः, पीतः।

अधोलिखित क्रियापद से लकार परिवर्तित करके वाक्य का निर्माण करें।

आगच्छति, प्रक्षालयामि, क्रीडन्ति, गुञ्जन्ति, नयन्ति, पतन्ति, धावन्ति, गच्छामः, गच्छथ, भवन्ति, कूजति, सिञ्चति, विकसतः ।

१. आगच्छति (आना)

लट् – सः विद्यालयं आगच्छति। (वह विद्यालय आता है।)

लङ् – सः विद्यालयं आगच्छत्। (वह विद्यालय आया।)

लृट् – सः विद्यालयं आगमिष्यति। (वह विद्यालय आएगा।)

२. प्रक्षालयामि (धोना)

लट् – अहं पाणिं प्रक्षालयामि। (मैं हाथ धोता हूँ।)

लङ् – अहं पाणिं अप्रक्षालयम्। (मैंने हाथ धोया।)

लृट् – अहं पाणिं प्रक्षालयिष्यामि। (मैं हाथ धोऊँगा।)

३. क्रीडन्ति (खेलना)

लट् – बालकाः उद्याने क्रीडन्ति। (लड़के बगीचे में खेलते हैं।)

लङ् – बालकाः उद्याने अक्रीडन्। (लड़के बगीचे में खेले।)

लृट् – बालकाः उद्याने क्रीडिष्यन्ति। (लड़के बगीचे में खेलेंगे।)

४. गुञ्जन्ति (गूंजना, भनभनाना)

लट् – भृङ्गाः पुष्पेषु गुञ्जन्ति। (भौंरे फूलों पर गूंजते हैं।)

लङ् – भृङ्गाः पुष्पेषु अगुञ्जन्। (भौंरे फूलों पर गूँजे।)

लृट् – भृङ्गाः पुष्पेषु गुञ्जिष्यन्ति। (भौंरे फूलों पर गूँजेंगे।)

५. नयन्ति (ले जाना)

लट् – सैनिकाः शत्रून् नयन्ति। (सैनिक शत्रुओं को ले जाते हैं।)

लङ् – सैनिकाः शत्रून् अनयन्। (सैनिक शत्रुओं को ले गए।)

लृट् – सैनिकाः शत्रून् नेष्यन्ति। (सैनिक शत्रुओं को ले जाएँगे।)

६. पतन्ति (गिरना)

लट् – पर्णानि वृक्षात् पतन्ति। (पत्ते वृक्ष से गिरते हैं।)

लङ् – पर्णानि वृक्षात् अपतन्। (पत्ते वृक्ष से गिरे।)

लृट् – पर्णानि वृक्षात् पतिष्यन्ति। (पत्ते वृक्ष से गिरेंगे।)

७. धावन्ति (दौड़ना)

लट् – बालकाः क्षेत्रे धावन्ति। (लड़के मैदान में दौड़ते हैं।)

लङ् – बालकाः क्षेत्रे अधावन्। (लड़के मैदान में दौड़े।)

लृट् – बालकाः क्षेत्रे धाविष्यन्ति। (लड़के मैदान में दौड़ेंगे।)

८. गच्छामः (हम जाते हैं)

लट् – वयं विद्यालयं गच्छामः। (हम विद्यालय जाते हैं।)

लङ् – वयं विद्यालयं अगच्छाम। (हम विद्यालय गए।)

लृट् – वयं विद्यालयं गमिष्यामः। (हम विद्यालय जाएँगे।)

९. गच्छथ (तुम जाते हो/हो)

लट् – भवान् कदा गृहम् गच्छथ? (आप घर कब जाते हैं?)

लङ् – भवान् गृहम् अगच्छत। (आप घर गए।)

लृट् – भवान् गृहम् गमिष्यथ। (आप घर जाएँगे।)

१०. भवन्ति (होना)

लट् – वृक्षे पुष्पाणि भवन्ति। (वृक्ष पर फूल होते हैं।)

लङ् – वृक्षे पुष्पाणि अभवन्। (वृक्ष पर फूल थे।)

लृट् – वृक्षे पुष्पाणि भविष्यन्ति। (वृक्ष पर फूल होंगे।)

११. कूजति (चहचहाना)

लट् – कोकिलः वृक्षे कूजति। (कोयल वृक्ष पर गाती है।)

लङ् – कोकिलः वृक्षे अकूजात्। (कोयल वृक्ष पर गाई।)

लृट् – कोकिलः वृक्षे कूजिष्यति। (कोयल वृक्ष पर गाएगी।)

१२. सिञ्चति (सिंचन करना)

लट् – कृषकः क्षेत्रं सिञ्चति। (किसान खेत सींचता है।)

लङ् – कृषकः क्षेत्रं असिञ्चत्। (किसान ने खेत सींचा।)

लृट् – कृषकः क्षेत्रं सिञ्चिष्यति। (किसान खेत सींचेगा।)

१३. विकसतः (खिलना)

लट् – पुष्पे विकसतः। (फूल खिलते हैं।)

लङ् – पुष्पे अविकसताम्। (फूल खिले।)

लृट् – पुष्पे विकसिष्यतः। (फूल खिलेंगे।)

अधोलिखित शब्द में 1 विशेष्य विशेषण पद जोड़कर एक वाक्य बनायें-

उदाहरण- ते किमपि वक्तुम् इच्छन्ति । श्यामः हरिद्वारं गन्तुम् इच्छति ।

वक्तुम्, गन्तुम्, कर्तुम्, खादितुम्, पातुम्, पठितुम्, श्रोतुम्, पठितुम्, दातुम्, मेलितुम्, द्रष्टुम्।

अधोलिखित क्रियापदों के साथ चतुर्थी विभक्ति का एक पद तथा अव्यय का एक पद जोड़कर वाक्य बनायें।

गमिष्यथ(गच्छथः), आगमिष्यामि (आगच्छामि), श्रोष्यामि (शृणोमि), वदिष्यसि (वदसि), पठिष्यति (पठति), लेखिष्यतः (लिखति), पास्यसि (पिबति), खादिष्यन्ति (खादन्ति), द्रक्ष्यावः (पश्यावः), नेष्यामि (नयामि), चलिष्यामः (चलामः), वसिष्यामि (वसामि), ज्ञास्यति (जानाति)

अधोलिखित तिङन्त पद में 1 सर्वनाम पद तथा 1 संख्यावाचक शब्द जोड़कर वाक्य निर्माण करें

गच्छति, श्रृणोमि, वदामि, पठामि, लिखसि, पिबावः, खादामः, पश्यामि, नयावः, इच्छामि, चलसि, वसामि, जानामि, पृच्छामि, पचामि, उपविशानि, ददासि, कथयामि, हसथः।

अधोलिखित तिङन्त पद से एक वाक्य बनायें।

१. जाओ → गच्छ (त्वं), गच्छतु (सः)

२. पढ़ाओ → अध्यापय (त्वं), अध्यापयतु (सः)

३. लिखो → लिख (त्वं), लिखतु (सः)

४. गाओ → गाय (त्वं), गायतु (सः)

५. सोओ → स्वपि (त्वं), स्वप्तु (सः)

६. उठो → उत्तिष्ठ (त्वं), उत्तिष्ठतु (सः)

७. दौड़ो → धाव (त्वं), धावतु (सः)

८. हँसो → हस (त्वं), हसतु (सः)

९. चलो → चल (त्वं), चलतु (सः)

१०. देखो → पश्य (त्वं), पश्यतु (सः)

अधोलिखित लोट् लकार : मध्यमपुरुष के क्रियापद से एक वाक्य बनायें।

हिन्दी क्रिया	संस्कृत धातु / क्रियापद	एकवचन (त्वं)	बहुवचन (यूयम्)
जाना	गम् → गच्छति	गच्छ	गच्छत
आना	आ-गम् → आगच्छति	आगच्छ	आगच्छत
करना	कृ → करोति	कुरु	कुरुत
बोलना	वद् → वदति	वद	वदत
सोचना	चिन्त् → चिन्तयति	चिन्तय	चिन्तयत

खाना	खाद् → खादति	खाद	खादत
पीना	पा → पिबति	पिब	पिबत
सुनना	श्रु → शृणोति	शृणु	शृणुत
देखना	दृश् → पश्यति	पश्य	पश्यत
चलना	चल् → चलति	चल	चलत
पढ़ना	पठ् → पठति	पठ	पठत
लिखना	लिख् → लिखति	लिख	लिखत
उठना	स्था → उत्तिष्ठति	उत्तिष्ठ	उत्तिष्ठत
बैठना	उपविश् → उपविशति	उपविश	उपविशत
फिरना	भ्रम् → भ्रमति	भ्रम	भ्रमत
नाचना	नृत् → नृत्यति	नृत्य	नृत्यत
गाना	गा → गायति	गाय	गायत
हँसना	हस् → हसति	हस	हसत
रोना	रुद् → रोदिति	रुद	रुदत
जीतना	जि → जयति	जय	जयत

सुनील काफ़ी सुंदर तस्वीरें बनाता है।

अधोलिखित क्रियापद से एक ऐसा वाक्य बनायें जिसमें तीन विभक्तियों का प्रयोग हो।

उदाहरण- रामः उद्याने फलानि खादति।

हिंदी क्रिया पद → संस्कृत धातु → लट् लकार (प्रथम पुरुष एकवचन)

बनाना → कृ धातु / निर्मा → करोति (अथवा निर्माति)

देखना → दृश् → पश्यति

कहना → वच् → वदति

बताना → कथ् → कथयति

पूछना → पृच्छ् → पृच्छति

रुकना → स्था → तिष्ठति

खड़ा होना → स्था → तिष्ठति

चखना → आस्वाद् → आस्वादयति

लगना → लग् → लगति

कोशिश करना → यत् → यतते

दौड़ना → धाव् → धावति

घूमना → भ्रम् → भ्रमति

रोना → रुद् → रोदिति

हँसना → हस् → हसति

मुस्कुराना → स्मित् → स्मयते / स्मितं करोति

छूना → स्पृश् → स्पृशति

सोना → स्वप् → स्वपति

चिल्लाना → क्रोश् → क्रोशति

लिखना → लिख् → लिखति

समझाना → बोध् → बोधयति

होना → भू → भवति

लेना → गृह् → गृह्णाति

देना → दा → ददाति

छीनना → हर् → हरति

ढूँढना → अन्विष् → अन्वेषयति

इस्तेमाल करना → उपयुज् → उपयुङ्क्ते

पहुँचना → प्राप् → प्राप्नोति

निकलना → निर्गम् → निर्गच्छति

रखना → स्था / धा → स्थापयति / दधाति

बुलाना → आह्वा → आह्वयति

पीना → पा → पिबति

खेलना → क्रीड् → क्रीडति

शुरू करना → आरभ् → आरभते

परोसना → उपहृ → उपहरति

धोना → क्षाल् → क्षालयति

दबाना → दब् → दबति / निपीडयति

कूदना → प्लु → प्लवते, कूर्दति

मना करना → निषेध् → निषेधयति

मिलना → लभ् → लभते

बजाना → वाद् → वादयति

छींकना → कास् → कासति

खाँसना → कास् → कासति

काटना → छेद् → छिनत्ति

चबाना → चर्व् → चर्वयति

निगलना → गिल् → गिलति

सजाना → अलंक्रि → अलंकरोति

आना → आ-गम् → आगच्छति

लेना → गृह् → गृह्णाति

तैयार करना → सज्ज् → सज्जयति

छुपाना → गुह् → गूहति

चुराना → स्ते → स्तेयं करोति / चोरयति

नाचना → नृत् → नृत्यति

गाना → गा → गायति

डाँटना → गर्ज् → गर्जति / तर्जयति

फेंकना → क्षिप् → क्षिपति

बैठना → उपविश् → उपविशति

बेचना → विक्रि → विक्रीणाति

खरीदना → कृ → क्रीणाति

जीतना → जि → जयति

हारना → हृ / पराजि → पराजयते

उड़ना → पत् → पतति

तैरना → प्लव् → प्लवते

जानना → ज्ञा → जानाति

सोचना → चिन्त् → चिन्तयति

होना → भू → भवति

विश्वास करना → श्रद्धा धा → श्रद्धधाति

उम्मीद करना → आशा धा → आशास्ते

समझना → बुध् → बोधति

पसंद करना → प्री → प्रीयते

प्यार करना → स्निह् → स्निह्यति

याद करना → स्मृ → स्मरति

भूलना → विस्मृ → विस्मरति

नफ़रत करना → द्विष् → द्वेष्टि

आना → आगम् → आगच्छति

जाना → गम् → गच्छति

होना → भू → भवति

माँगना → याच् → याचते

भूलना → विस्मृ → विस्मरति

मानना → मन् → मन्यते

चुप होना → तुष् → तुष्यति

कारक

प्रश्न - विभक्ति कितने प्रकार की होती है ? **उत्तर** - दो

प्रश्न - सम्प्रदान कारक में कौन सी विभक्ति होगी ? **उत्तर** - चतुर्थी

प्रश्न - कर्म कारक में कौन सी विभक्ति होगी ? **उत्तर** - द्वितीया

प्रश्न - अधिकरण में कौन सी विभक्ति होगी ? **उत्तर** - सप्तमी

प्रश्न - तृतीया विभक्ति का सूत्र ? **उत्तर** - कर्तृकरणयोस्तृतीया

प्रश्न - कारक कितने हैं ? **उत्तर** - छः

प्रश्न - संस्कृत के 6 कारकों का नाम बताईये

उत्तर - कर्त्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान और अधिकरण

प्रश्न - ओदनं भुंजानो विषं भुंक्ते में कौन सा सूत्र लगा है ?

उत्तर - तथायुक्तं चानीप्सितम्

प्रश्न - बालकः प्रश्नं पृच्छति यहां प्रश्नं में किस सूत्र से द्वितीया है ?

उत्तर - अकथितं च

प्रश्न - मासमास्ते में किस सूत्र से द्वितीया है ?

उत्तर - अकर्मकधातुभिर्योगे देशः कालो भावोगन्तव्योध्वा च कर्मसंज्ञक इति वाच्यम्

प्रश्न - क्रोशं कुटिला नदी में क्रोशं में किस सूत्र से कर्म कारक हुई ?

उत्तर - कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे

प्रश्न - 'परितः' के योग में विभक्ति होती है उत्तर - द्वितीया

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

'सर्वत: ' के योग में कारक होता है ? उत्तर - कर्म

'सह' के योग में विभक्ति होती है ? उत्तर – तृतीया

"सहयुक्तेऽप्रधाने' सूत्र किस विभक्ति का है ? उत्तर - तृतीया

'रुच' अर्थ की धातु के साथ किस विभक्ति का प्रयोग होता है ? उत्तर - चतुर्थी

'अहं रामेण सह गच्छामि' यहाँ रामेण में कौन विभक्ति है ? उत्तर - तृतीया

प्रश्न - प्रातिपादिकार्थलिंग-परिमाण-वचन-मात्रे " सूत्र किस कारक से सम्बन्धित है ?

उत्तर - कर्ता कारक से ।

प्रश्न - आत्मनि इत्यत्र का विभक्तिः? उत्तर - सप्तमी

प्रश्न - रामाय स्वस्ति इत्यत्र रामाय पदे का विभक्तिः? उत्तर - चतुर्थी

प्रश्न - कृष्णं भजति इत्यत्र कृष्णं पदे का विभक्तिः? उत्तर - द्वितीया

प्रश्न - सः अक्ष्णा काणः अस्ति इत्यत्र अक्ष्णा पदे का विभक्तिः? उत्तर - तृतीया

प्रश्न - ग्रामं निकषा मन्दिरमस्ति इत्यस्मिन् वाक्ये ग्रामं पदे द्वितीया केन कारणेन भवति?
उत्तर - निकषा

प्रश्न - मोहनः अश्वात् निपतति इत्यत्र अश्वात् पदे किं कारकम्?

उत्तर - अपादानम्

प्रश्न - बाणेन रावणः हतः इत्यत्र बाणेन पदे किं कारकम्? उत्तर - करणम्

प्रश्न - वानरः वृक्षे कूर्दते इत्यत्र वृक्षे पदे किं कारकम्? उत्तर - अधिकरणम्

प्रश्न - रघुवंशमहाकाव्यस्य रचयिता कालिदासः अस्ति इत्यत्र महाकाव्यस्य पदे का विभक्तिः?

उत्तर – षष्ठी

1. प्रश्न: "रामः वनं गच्छति" वाक्य में 'वनं' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: द्वितीया कारक (कर्म कारक)

2. प्रश्न: "गुरुणा पाठः पठितः" वाक्य में 'गुरुणा' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: तृतीया कारक (करण कारक)

3. प्रश्न: "बालकः पुस्तकम् पठति" वाक्य में 'बालकः' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

4. प्रश्न: "सः मित्राय पुस्तकम् दत्तवान्" वाक्य में 'मित्राय' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: चतुर्थी कारक (सम्प्रदान कारक)

5. प्रश्न: "कृषकः हलम् कृषते" वाक्य में 'हलम्' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: द्वितीया कारक (कर्म कारक)

6. प्रश्न: "गजेन रथः चलितः" वाक्य में 'गजेन' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: तृतीया कारक (करण कारक)

7. प्रश्न: "सीता रावणात् उद्धृता" वाक्य में 'रावणात्' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: पञ्चमी कारक (अपादान कारक)

8. प्रश्न: "गङ्गायां स्नानं करोति" वाक्य में 'गङ्गायां' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: सप्तमी कारक (अधिकरण कारक)

9. प्रश्न: "रामस्य धनुः बलवदस्ति" वाक्य में 'रामस्य' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: षष्ठी कारक (सम्बन्ध कारक)

10. प्रश्न: "सः अहं च मित्रे" वाक्य में 'अहं' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

11. प्रश्न: "गुरवे नमः" वाक्य में 'गुरवे' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: चतुर्थी कारक (सम्प्रदान कारक)

12. प्रश्न: "पुत्रात् पत्रं प्राप्तम्" वाक्य में 'पुत्रात्' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: पञ्चमी कारक (अपादान कारक)

13. प्रश्न: "कृषकः कर्षकाय हलम् दत्तवान्" वाक्य में 'कर्षकाय' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: चतुर्थी कारक (सम्प्रदान कारक)

14. प्रश्न: "सीता रावणेन हृता" वाक्य में 'रावणेन' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: तृतीया कारक (करण कारक)

15. प्रश्न: "गुरुणा शिष्यः शिक्षितः" वाक्य में 'गुरुणा' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: तृतीया कारक (करण कारक)

16. प्रश्न: "रामस्य भ्राता लक्ष्मणः" वाक्य में 'रामस्य' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: षष्ठी कारक (सम्बन्ध कारक)

17. प्रश्न: "गङ्गायां स्नानं शुभम्" वाक्य में 'गङ्गायां' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: सप्तमी कारक (अधिकरण कारक)

18. प्रश्न: "सः पुस्तकं पठति" वाक्य में 'पुस्तकं' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: द्वितीया कारक (कर्म कारक)

19. प्रश्न: "गुरवे पत्रं लिखति" वाक्य में 'गुरवे' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: चतुर्थी कारक (सम्प्रदान कारक)

20. प्रश्न: "सः नगरात् आगतः" वाक्य में 'नगरात्' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: पञ्चमी कारक (अपादान कारक)

21. प्रश्न: "रामः लक्ष्मणं आह्वयति" वाक्य में 'लक्ष्मणं' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: द्वितीया कारक (कर्म कारक)

22. प्रश्न: "गुरुणा शिष्यः शिक्षितः" वाक्य में 'शिष्यः' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

23. प्रश्न: "गङ्गायां स्नानं शुभम्" वाक्य में 'स्नानं' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

24. प्रश्न: "रामस्य धनुः बलवदस्ति" वाक्य में 'धनुः' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

25. प्रश्न: "गुरवे नमः" वाक्य में 'नमः' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

26. प्रश्न: "पुत्रात् पत्रं प्राप्तम्" वाक्य में 'पत्रं' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक (कर्तृ कारक)

27. प्रश्न: "कृषकः कर्षकाय हलम् दत्तवान्" वाक्य में 'हलम्' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: द्वितीया कारक (कर्म कारक)

28. प्रश्न: "सीता रावणेन हृता" वाक्य में 'सीता' पद कौन से कारक में है?

उत्तर: प्रथमा कारक

'सर्वतः' के योग में कौन-सा कारक होता है?

उत्तर: कर्म कारक (द्वितीया)

शब्द शुद्धि (पंडित परीक्षा)

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
सः गुरुं नमन्ति	सः गुरुं नमति ।
मधु पुष्पेषु भवसि	मधु पुष्पेषु भवति ।
अहं गच्छति ।	अहं गच्छामि ।
इदं महा वैज्ञानिकः अस्ति	अयं महान् वैज्ञानिकः अस्ति ।
धेनवः कदा गच्छति ।	धेनवः कदा गच्छन्ति ।
अहं प्रतिदिनं भोजनं करोति।	अहं प्रतिदिनं भोजनं करोमि।
के आगच्छति	के आगच्छन्ति ?
इयं मम भ्राता अस्ति।	अयं मम भ्राता अस्ति।
अयं बालिका गच्छति ।	इयं बालिका गच्छति ।
रामः मम मित्रः अस्ति ।	रामः मम मित्रम् अस्ति ।
यूयं धावतः ।	यूयं धावथ ।
के आगच्छति	के आगच्छन्ति ?
इयं मम भ्राता अस्ति।	अयं मम भ्राता अस्ति।
अहं दधिः खादन्ति ।	अहं दधि खादामि ।
पूरनौ कुत्र क्रीडन्ति ?	पूरनौ कुत्र क्रीडतः ?
अहम् अत्र स्थामि ।	अहम् अत्र तिष्ठामि ।
अहं सर्वो मिलामि ।	अहं सर्वे मिलामि ।
आकाशे चन्द्रम् शोभते ।	आकाशे चन्द्रः शोभते ।
आगच्छ भवान्।	आगच्छतु भवान् ।
आत्मा अमरा भवति ।	आत्मा अमरः भवति ।

सः पुस्तकम् अस्ति।   तत् पुस्तकम् अस्ति।
ऐक्यः हि बलः।   ऐक्यं हि बलम्।
इदं वायुः वहति।   अयं वायुः वहति।
इयं नदी मथुरायां प्रवहामि। इयं नदी मथुरायां प्रवहति।
इदं विशाला नाम नगरम्। इयं विशाला नाम नगरी|
इदं समुद्रम् अस्ति।   अयं समुद्रः अस्ति।
इयम् गृहम् अस्ति।   इदं गृहम् अस्ति।
इयं वस्तु मम अस्ति।   इदं वस्तु मम अस्ति।
इयं शकुन्तला सीता च सन्ति। इयं शकुन्तला सीता च स्तः।
अयं बालिका गच्छति। इयं बालिका गच्छति।
एते तस्य पुस्तकाः अस्ति। एतानि तस्य पुस्तकानि सन्ति।
पश्चिमदिशि अरबसागरः अस्ति।   पश्चिमदिशायां अरबसागरः अस्ति।
त्रिषु दिशासु समुद्रतटाः अस्ति।   तिसृषु दिशासु समुद्रतटाः सन्ति।
त्रयाणां सागरस्य सङ्गमः भवति।   त्रयाणां सागराणां सङ्गमः भवति।
सिंहः वने शेते।   सिंहः वनं शेते।
अहम् अत्र स्थामि।   अहम् अत्र तिष्ठामि।
मुनयः आश्रमे उपवसन्ति।   मुनयः आश्रमं उपवसन्ति।